

कैकेई के वचन कठोर भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए



कैकेई के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए,
जननी के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए।bd।

धागा हो तो तोड़ दूं मैं,
पर वचन न तोड़े जाएं,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए,
जननी के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए।bd।

चिट्ठी जो होती वाच सुनाते,
मोसे करम ना वांचे जाए,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए,
जननी के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए।bd।

कुवना जो होता हम पाट देते,
समुद्र ना पाटे जाए,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए,
जननी के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए।bd।

कैकेई के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए,
जननी के वचन कठोर,
भरत के सुनतहि अंसुआ भर आए।bd।

गायक – गोलू ओझा ।
प्रेषक – मनीष प्रजापति ।
7696018648

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>